भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 25 सितंबर, 2026
जारी करने का समय:1325 घंटे

विषय: दक्षिण छत्तीसगढ़ और उससे सटे दक्षिण अंदरूनी ओडिशा के ऊपर बने डिप्रेशन (depression) के असर से, 25 सितंबर को छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 25-26 तारीख के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 26 तारीख को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 26-27 सितंबर को उत्तराखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 25 सितंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- तटीय आंध्र प्रदेश में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल और माहे, कर्नाटक, तेलंगाना, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और विदर्भ में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून का पीछे हटना (अनुलग्नक I)

- दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वापसी की रेखा 32.5°N/72.5°E, गुरदासपुर, चंडीगढ़, मुज़फ़्फ़रनगर, अलीगढ़, धौलपुर, उदयपुर, डीसा, नलिया और 23.0°N/67.8°E से होकर गुज़र रही है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- दक्षिण ओडिशा और उससे सटे दक्षिण छत्तीसगढ़ के ऊपर बना डिप्रेशन पिछले 6 घंटों के दौरान 15 किमी/घंटा की गति से उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा है। आज, 25 सितंबर 2026 को सुबह 8:30 बजे (IST) यह दक्षिण छत्तीसगढ़ और उससे सटे दक्षिण ओडिशा के अंदरूनी इलाकों में स्थित था। इसकी स्थिति लगभग 20.9°N अक्षांश और 82.4°E देशांतर पर थी, जो नुआपाड़ा (ओडिशा) के उत्तर-उत्तर-पश्चिम में और रायपुर (छत्तीसगढ़) से लगभग 80 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, चंपा (छत्तीसगढ़) से 130 किमी दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम और बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से 140 किमी दक्षिण में है।

  इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और अगले 12 घंटों तक डिप्रेशन की तीव्रता बनाए रखने की बहुत संभावना है; इसके बाद के 12 घंटों में इसके कमजोर होकर 'वेल मार्क्ड लो प्रेशर एरिया' (स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव वाला क्षेत्र) में बदलने की उम्मीद है।

- मध्य क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फेरिक) की पश्चिमी हवाओं में एक 'ट्रफ' के रूप में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) मौजूद है, जिसकी धुरी मध्य क्षोभमंडल स्तर पर लगभग 72°E देशांतर के साथ और 26°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 25 और 29 सितंबर को; हिमाचल प्रदेश में 25-26 सितंबर और 29 सितंबर-1 अक्टूबर के दौरान; उत्तराखंड में 25 सितंबर और 29 सितंबर-1 अक्टूबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- पूर्वी राजस्थान और पंजाब में 25-30 सितंबर के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 25 सितंबर और 28-29 सितंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 सितंबर और 27-29 सितंबर के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27-30 सितंबर के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 28-29 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 28 सितंबर को; हिमाचल प्रदेश में 27-28 सितंबर के दौरान; उत्तराखंड में 26-28 सितंबर के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 26-27 सितंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 26 सितंबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 25-26 सितंबर के दौरान काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में 25 सितंबर और 28-29 सितंबर के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 26-27 सितंबर के दौरान; उत्तराखंड में 25-26 सितंबर और 28 सितंबर को कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही उत्तराखंड में 27 सितंबर को तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। □ हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 26-27 सितंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 26 सितंबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 25-26 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है। साथ ही, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 25 और 27 सितंबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27 सितंबर को; पूर्वी राजस्थान में 27-29 सितंबर के दौरान तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- हिमाचल प्रदेश में 26 और 28 सितंबर को; उत्तराखंड में 25 और 28 सितंबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 27 सितंबर को; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 26-27 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश में 27 सितंबर को और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 26 सितंबर को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- उत्तराखंड में 26-27 सितंबर के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 26 सितंबर को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 25-26 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 29-30 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 28 सितंबर-1 अक्टूबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; और 29 सितंबर-1 अक्टूबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 25-27 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; और 25-28 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 25-26 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 25 सितंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। साथ ही, 29 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 27-29 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 26 सितंबर को छत्तीसगढ़ में तेज़ हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- 25-26 सितंबर के दौरान विदर्भ में; और 27 सितंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- 27 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 25 सितंबर को विदर्भ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 25-26 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 26 सितंबर को छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 25 सितंबर को छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 25 से 29 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 25 से 26 सितंबर के दौरान बिहार, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- 30 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान बिहार, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- 25 सितंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 25 से 26 सितंबर के दौरान बिहार में; और 26 सितंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 26 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 25 से 26 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 26 से 27 सितंबर के दौरान झारखंड में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 26 सितंबर को बिहार, झारखंड, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 25 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 25 सितंबर को बिहार, झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- 25 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।
- 25 सितंबर को झारखंड और ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की रफ़्तार 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 25 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है; असम और मेघालय में 25 से 29 सितंबर के दौरान ऐसी ही बारिश हो सकती है।
- 30 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान असम और मेघालय में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- 25 से 26 सितंबर के दौरान असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- 25 सितंबर और 29 सितंबर को असम और मेघालय में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29 से 30 सितंबर के दौरान ऐसी भारी बारिश हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- 25 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है; सौराष्ट्र और कच्छ में 25 सितंबर को बारिश हो सकती है।
- 28 से 30 सितंबर के बीच मध्य महाराष्ट्र में; और 25 सितंबर को गुजरात क्षेत्र और मराठवाड़ा में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 25 सितंबर को गुजरात क्षेत्र और मराठवाड़ा में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 25 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 26 से 29 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में; 25 से 28 सितंबर के दौरान दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 26 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 25-26 सितंबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 25 सितंबर और 30 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान तटीय कर्नाटक में; 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 25 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 25 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 25-26 सितंबर और 29 सितंबर को केरल और माहे में; 25 सितंबर को तटीय कर्नाटक, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 26-29

सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; 25-26 सितंबर के दौरान तेलंगाना में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को केरल और माहे और उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में; 25 सितंबर और 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 25 सितंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- 25-29 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

- आज, 25 सितंबर की शाम तक पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास 40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार से तेज़ हवाएं (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है और इसके बाद हवा की रफ़्तार धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- छत्तीसगढ़ और ओडिशा के अंदरूनी इलाकों में 45-55 किमी/घंटा की रफ़्तार से तेज़ हवाएं (झोंकों के साथ 65 किमी/घंटा तक) चल रही हैं; आज दोपहर तक इन्हीं इलाकों में हवा की रफ़्तार 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) रहने और उसके बाद धीरे-धीरे कम होने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

- आज, 25 सितंबर की शाम तक पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी आंध्र प्रदेश-ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों के पास समुद्र की स्थिति खराब रहेगी और इसके बाद धीरे-धीरे इसमें सुधार होगा।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे अगले 12 घंटों तक पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी आंध्र प्रदेश-ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों के पास समुद्र में न जाएं।अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ओडिशा: तेंतुलीखुंटी (जिला नवरंगपुर) 39; नंदहांडी (जिला नवरंगपुर) 34; बोरीगुम्मा (जिला कोरापुट) 31; सिमिलिगुडा (जिला कोरापुट), कोटपाड़ (जिला कोरापुट) 27 प्रत्येक; जयपोर (जिला कोरापुट) 26; कोसागुमदा (जिला नवरंगपुर), झोरीगाम (जिला नवरंगपुर) 24 प्रत्येक; चंदहांडी (जिला नवरंगपुर) 23; केंद्रपाड़ा (जिला केंद्रपाड़ा), केंद्रपाड़ा पीटीओ (जिला केंद्रपाड़ा) 21 प्रत्येक; कोरापुट (जिला कोरापुट), उमरकोटे (जिला नवरंगपुर), गोलामुंडा (जिला कालाहांडी) 20 प्रत्येक; नवरंगपुर (जिला नवरंगपुर), रायघर (जिला नवरंगपुर), बंधुगांव (जिला कोरापुट), पापदाहांडी (जिला नवरंगपुर) 19 प्रत्येक;
- छत्तीसगढ़: जगदलपुर (जिला बस्तर) 25; लोहंडीगुड़ा (जिला बस्तर) 23; बास्तानार (जिला बस्तर), नानगुर (जिला बस्तर) 22 प्रत्येक; भानपुरी (जिला बस्तर) 21; तोकापाल (जिला बस्तर), माकड़ी (जिला कोंडागांव), मर्दापाल (जिला कोंडागांव) 20 प्रत्येक; बस्तर (जिला बस्तर), केशकाल (जिला कोंडागांव) 19 प्रत्येक;
- उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: युकसोम (जिला ग्यालशिंग) 22; दार्जिलिंग (जिला दार्जिलिंग) 14; अम्फू कलिम्पोंग (जिला कलिम्पोंग) 12; कलिम्पोंग (जिला कलिम्पोंग), अलगारा (जिला कलिम्पोंग), लावा (जिला कलिम्पोंग) 11 प्रत्येक;

- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: चिंतालापुडी (जिला एलुरु) 16; पोलावरम (जिला एलुरु), चिंतापल्ले (जिला अल्लूरी सीतारमाराजू) 14 प्रत्येक; इच्छापुरम (जिला श्रीकाकुलम) 13; बोब्बिली (जिला विजयनगरम), बालाजीपेटा (जिला पार्वतीपुरम मान्यम) 12 प्रत्येक; सीतानगरम (जिला पार्वतीपुरम मान्यम) 11;
- बिहार: ढेंगब्रिज (जिला सीतामढी) 14; बलतारा (जिला खगड़िया) 12; झंझारपुर (जिला मधुबनी) 11; बगहा (जिला पश्चिमी चंपारण), खगड़िया (जिला खगड़िया) 10 प्रत्येक;
- केरल और माहे: कुडुलु (जिला कासरगोड) 11; मुलियार एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) 8; वडकारा (जिला कोझिकोड), बयार एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) 7 प्रत्येक; टेलिचेरी (जिला कन्नूर), होसदुर्ग (जिला कासरगोड), पिनाराई एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), पनाथुर एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड),
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 11; उचांगिदुर्ग (जिला दावणगेरे) 7; संपाजे (जिला कोडागु) 6;
- उत्तर आंतरिक कर्नाटक: गुट्टल (जिला हावेरी) 7
- तेलंगाना: सथुपल्ले (जिला खम्मम) 11; वायरा केवीके (कृषि) (जिला खम्मम) 9; थोलाडा (जिला खम्मम) 8; मधिरा (जिला खम्मम), जैनूर (जिला कुमारम भीम) 7 प्रत्येक;
- तटीय कर्नाटक: मंगलुरु (जिला दक्षिण कन्नड़) 9; कोटा (जिला उडुपी) 8; सुल्या (जिला दक्षिण कन्नड़) 7; सिद्दपुरा (जिला उडुपी),
- गांगेय पश्चिम बंगाल: मोहनपुर (जिला पश्चिम मिदनापुर) 9; मिदनापुर (सीडब्ल्यूसी) (जिला पश्चिम मिदनापुर) 8; कल्याणी स्मो (जिला नादिया), नारायणपुर (जिला बीरभूम), मिदनापुर (जिला पश्चिम मिदनापुर) 7 प्रत्येक;
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: ककराही (जिला सिद्धार्थ नगर), तुलसीपुर (जिला बलरामपुर), कैसरगंज (जिला बहराईच), बस्ती सीडब्ल्यूसी (जिला बस्ती), काकरधारीघाट (जिला श्रावस्ती) 8 प्रत्येक; बलरामपुर (टी) (जिला बलरामपुर), उस्का बाजार एफएमओ (जिला सिद्धार्थ नगर), गोंडा सीडब्ल्यूसी (जिला गोंडा), बांसी तहसील (जिला सिद्धार्थ नगर), बांसी सीडब्ल्यूसी (जिला सिद्धार्थ नगर) 7 प्रत्येक; झारखंड: सरायकेला 9, पूर्वी टुंडी (जिला धनबाद), भुरकुंडा (जिला रामगढ़) 8 प्रत्येक; पुटकी (जिला धनबाद), तोरपा (जिला खूंटी), रामगढ़ (जिला रामगढ़), घाटशिला (जिला पूर्वी सिंगभूम), मझगांव (जिला पश्चिमी सिंगभूम), पोटका (जिला पूर्वी सिंगभूम), सदर चाईबासा (जिला पश्चिमी सिंगभूम) 7 प्रत्येक;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: अमरपाटन (जिला मैहर) 7; मानपुर (जिला उमरिया), जयसिंह नगर (जिला शहडोल), विजयराघौगढ़ (जिला कटनी), उचेहरा (जिला सतना), गौरीहार (जिला छतरपुर) 5 प्रत्येक;
- विदर्भ: धनोरा (जिला गढ़चिरौली), कोरची (जिला गढ़चिरौली) 7 प्रत्येक; कुरखेड़ा (जिला गढ़चिरौली), देवरी (जिला गोंदिया), भामरागढ़ (जिला गढ़चिरौली), एटापल्ली (जिला गढ़चिरौली) 5 प्रत्येक;

अनुलग्नक ।

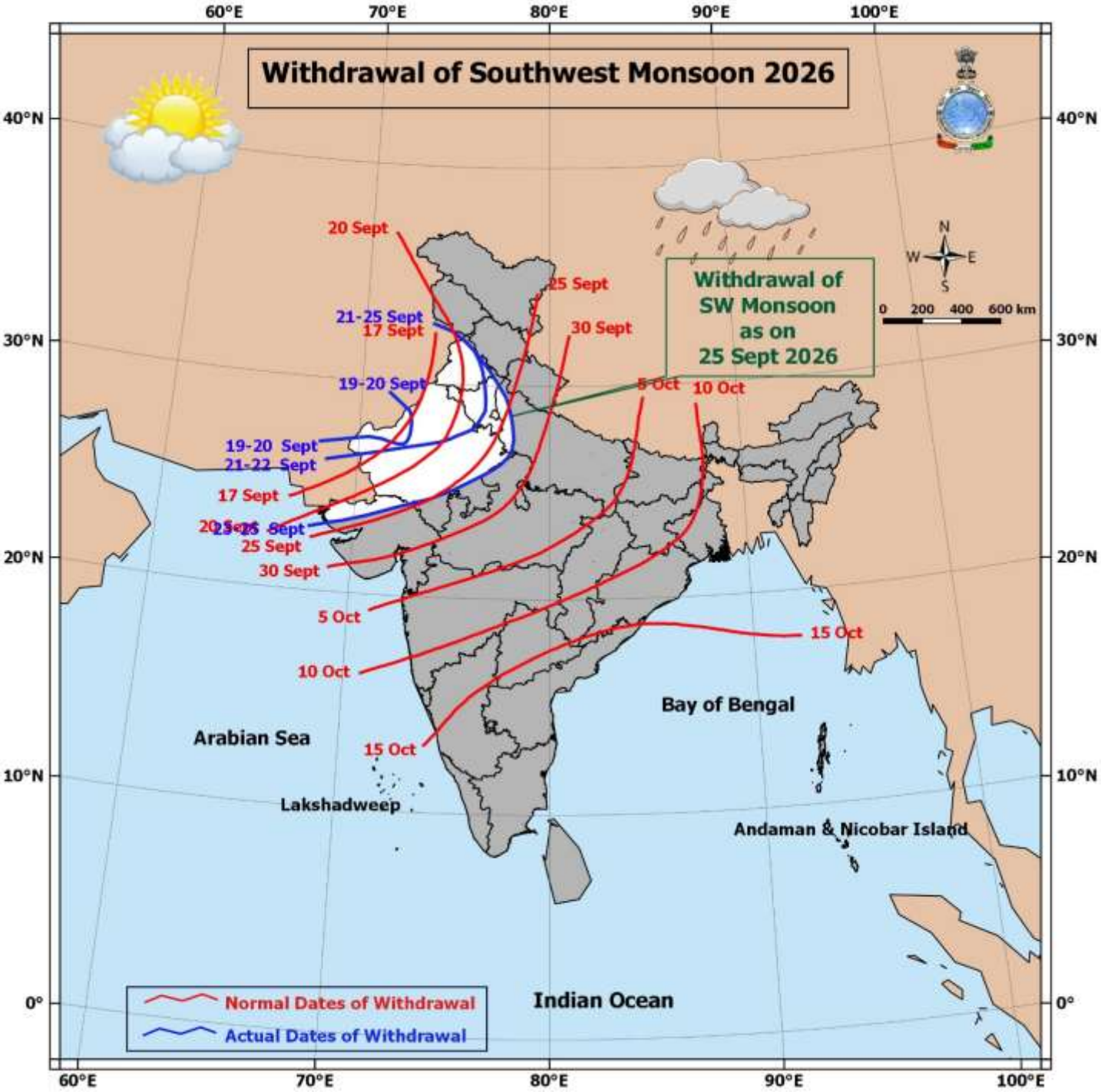
Withdrawal of Southwest Monsoon 2026
Withdrawal of SW Monsoon as on 25 Sept 2026
0 200 400 600 km
N
S
W
E
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°
20 Sept
25 Sept
30 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
21-25 Sept
17 Sept
19-20 Sept
19-20 Sept
21-22 Sept
17 Sept
25 Sept
25 Sept
30 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	25- Sep	26- Sep	27- Sep	28- Sep	29- Sep	30- Sep	1- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	DRY	DRY	FWS	ISOL	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

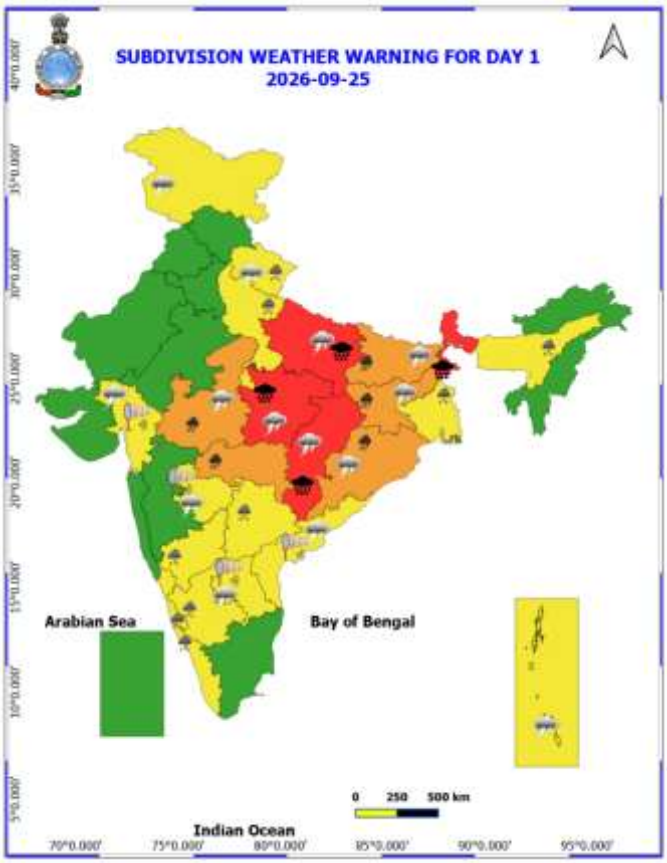
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-09-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

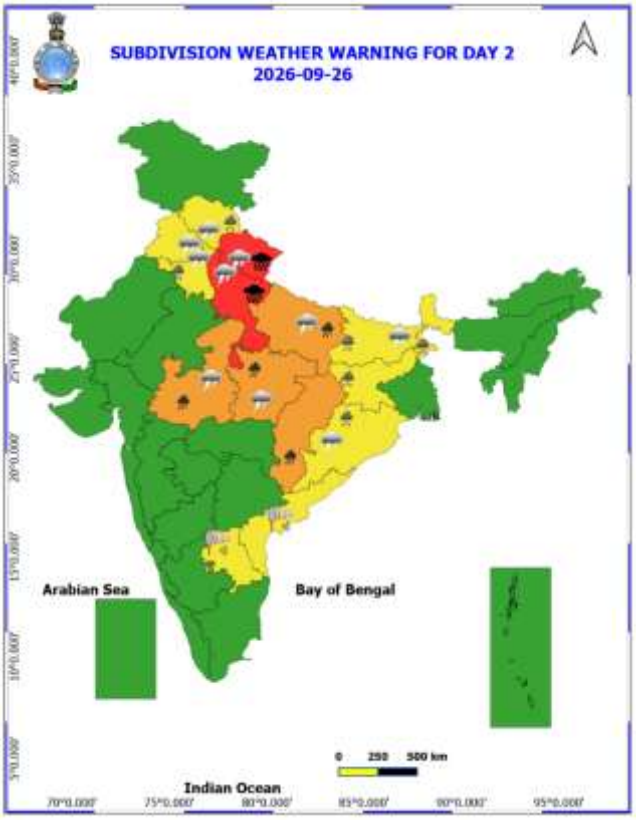
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-09-26
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

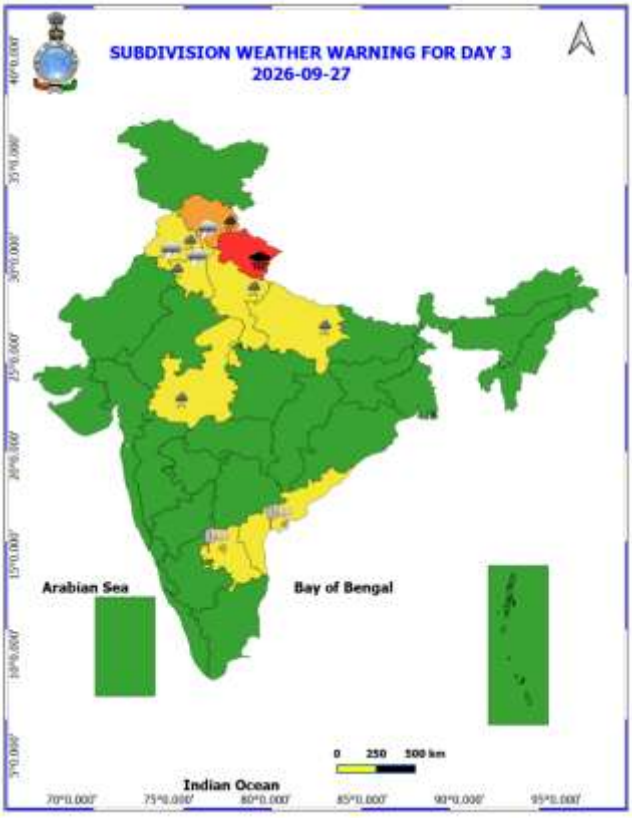
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-09-27
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

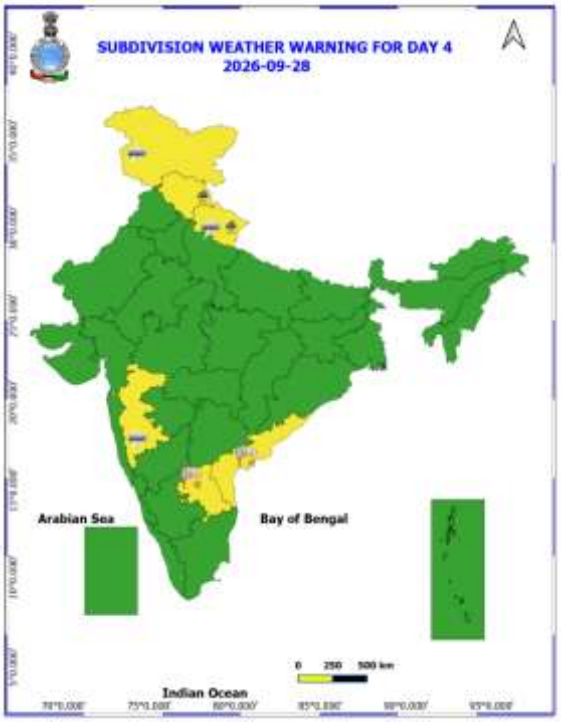

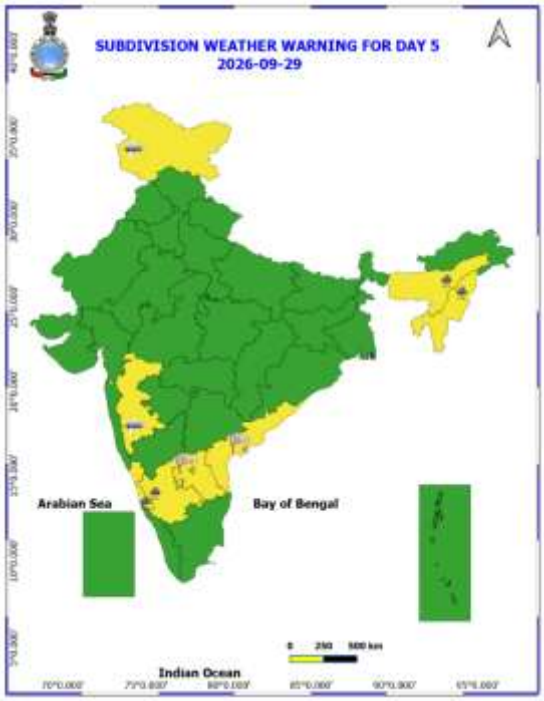

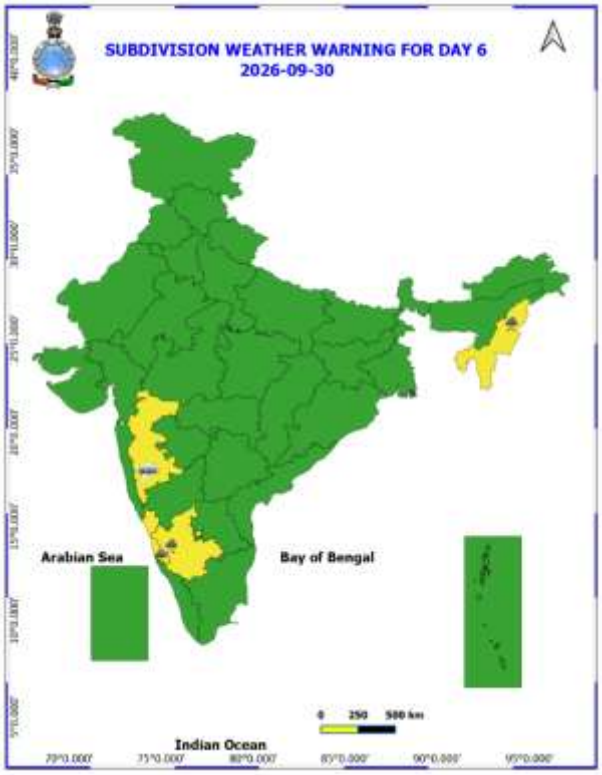

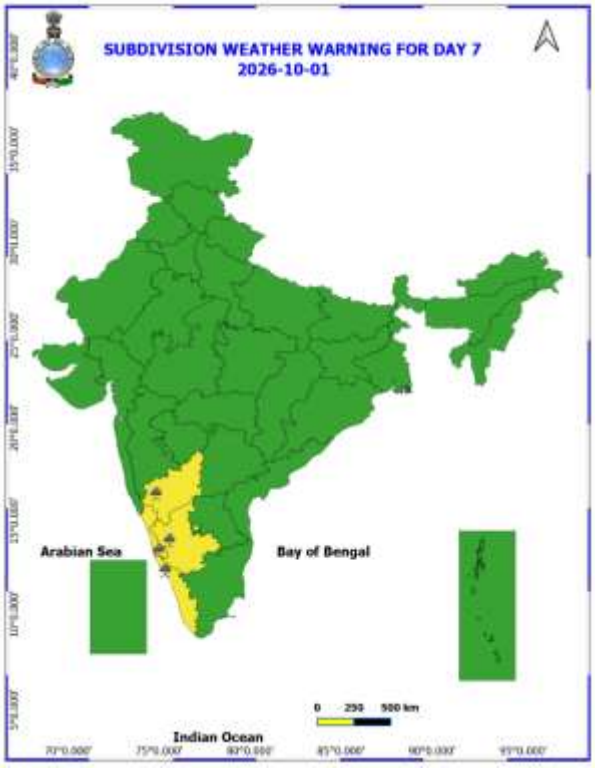

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

25 सितंबर से 27 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले 24 घंटों का मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C और न्यूनतम तापमान में 1-2°C की गिरावट आई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34-36°C और न्यूनतम तापमान 21-24°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में मुख्य रूप से आसमान साफ रहा और दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की गति से सतही हवा चली। आज सुबह के समय इस इलाके में मुख्य रूप से आसमान साफ रहने और दक्षिण-पूर्व दिशा से 25 किमी/घंटा तक की गति से सतही हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

25.09.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो दोपहर तक आमतौर पर बादल छाए रहने की स्थिति में बदल जाएंगे। दिन के समय सतही हवा की गति 20-30 किमी/घंटा रहेगी और कभी-कभी झोंके 40 किमी/घंटा तक पहुंच सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है और दोपहर के समय हवा की गति 22 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक रह सकती है।

26.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और तेज़ ज़मीनी हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, जबकि दिल्ली में कुछ जगहों पर यह सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रह सकता है। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार कम होकर 20 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

27.09.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर से पहले तक ज़्यादातर जगहों पर एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है। दोपहर से शाम के समय कई जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30°C से 32°C और 21°C से 23°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली में यह सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

28.09.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह-सुबह कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 21°C से 23°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

अत्यधिक भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है; 25 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 25-26 तारीख के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 26 सितंबर 2026 को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी भारी बारिश हो सकती है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, धान, जूट और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकालने की व्यवस्था करें, खासकर निचले और पानी जमा होने वाले इलाकों में। धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ें मजबूत करें, पानी निकासी के रास्ते साफ रखें और बारिश न होने के समय तैयार फसलों, चाय की पत्तियों और सब्जियों की कटाई करें; उपज को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- हिमालय के पास वाले पश्चिम बंगाल में, धान और रागी (फिंगर मिलेट) की नर्सरी, अदरक, टमाटर, बैंगन, मिर्च और अन्य सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। खेतों की नालियां साफ रखें, सूखे मौसम में तैयार फसलों और सब्जियों की कटाई करें और जहां जरूरत हो, वहां कमजोर फसल संरचनाओं को मजबूत करें।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश में, धान, मक्का, तिल, अरहर और अन्य खड़ी फसलों में जलभराव से बचने के लिए पानी की निकासी का सही इंतजाम करें। सिंचाई, खेत की देखभाल के काम, खाद और पौधों की सुरक्षा के लिए दवा डालने जैसे काम तब तक टाल दें जब तक खेत की स्थिति ठीक न हो जाए।
- पूर्वी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और मिट्टी में नमी ज्यादा होने पर खेत में कोई काम न करें। मौसम ठीक होने पर तैयार उड़द और मूंग की तुरंत कटाई करें और उपज को सुरक्षित, सूखी जगह पर रखें; छोटे फलों के पौधों को सहारा दें और लंबे गन्ने को गिरने से बचाने के लिए सहारा (प्रॉप) लगाएं।

- ओडिशा में, धान, मक्का, मोटे अनाज (मिलेट्स), अदरक, हल्दी, सब्जियों, दालों और बागों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें, खासकर निचले और जलभराव वाले खेतों से। खेतों की नालियां और पानी निकलने के रास्ते साफ रखें, सब्जियों की नर्सरी को सुरक्षित रखें, खेत की मेड़ें ठीक रखें और सब्जियों व नए लगाए गए केले के पौधों को सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं और फसल को नुकसान न हो।
- छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (माइनर मिलेट्स), दालों और सब्जियों के खेतों में लगातार और प्रभावी ढंग से पानी की निकासी की व्यवस्था करें। पानी निकासी के रास्ते साफ रखें, खासकर मक्का, अदरक और हल्दी के निचले खेतों में; जमा पानी तुरंत निकालें और कमजोर सब्जी वाली फसलों को सहारा दें।
- उत्तराखंड में, गन्ना, मक्का और अन्य खड़ी फसलों में पानी की निकासी का प्रभावी इंतजाम करें और निकासी के रास्ते साफ रखें। जहां बारिश काफी हो रही हो, वहां सिंचाई न करें और लंबी फसलों व सब्जियों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें। झारखंड में, मक्का, अरहर, सब्जियों और दूसरी खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें और जल-जमाव से बचने के लिए जल-निकासी की नालियों को साफ़ रखें। सब्जियों के पौधों को बचाएं और कटी हुई फ़सल को सुरक्षित, सूखी जगहों पर रखें।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, जल-जमाव से बचने के लिए खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। गीले मौसम में सिंचाई, खेत के काम, खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें और छोटे पौधों, सब्जियों और बागवानी वाली फसलों को सहारा दें।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और ज़्यादा गीली ज़मीन पर सिंचाई या खेत के अनावश्यक काम न करें। कमज़ोर पौधों को सहारा दें और गन्ने के लंबे पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- बिहार में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान, मक्का, अरहर, निचले इलाकों में लगे गन्ने और दूसरी खड़ी फसलों वाले खेतों में लगातार पानी की निकासी बनाए रखें। मिट्टी की स्थिति ठीक होने तक सिंचाई, खाद, कीटनाशक और खेत के दूसरे काम टाल दें।
- कर्नाटक में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें और गीले मौसम में खेत के काम, खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें। जहाँ मौसम ठीक हो, वहाँ तैयार मूंग, उड़द और सोयाबीन की कटाई करें, कटी हुई फ़सल को सुरक्षित और ढकी हुई जगह पर रखें और कमज़ोर फसलों को सहारा दें।
- तेलंगाना में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, सब्जियों और बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। कमज़ोर फसलों को सहारा दें, कटी हुई फ़सल को सुरक्षित और सूखी जगहों पर रखें और मौसम व खेत की स्थिति ठीक होने तक खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- असम और मेघालय में, धान, तिल, अदरक, मूंग, उड़द और दूसरी फसलों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें और जल-जमाव से बचने के लिए खेत की नालियों को खुला रखें। मौसम ठीक और सूखा होने पर तैयार जूट, केले और लौकी की कटाई करें और कटी हुई फ़सल को सुरक्षित और सूखा रखें।
- केरल में, हाल की बारिश के बाद केले, काली मिर्च, नारियल, अदरक और हल्दी के खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम करें और केले के पौधों व मचान पर उगाई जाने वाली फसलों को मज़बूत सहारा दें। बारिश रुकने और मिट्टी की स्थिति ठीक होने तक खेत के सभी काम टाल दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्ज़ियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।

- तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक बाढ़ का जोखिम (FFR)

26-09-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

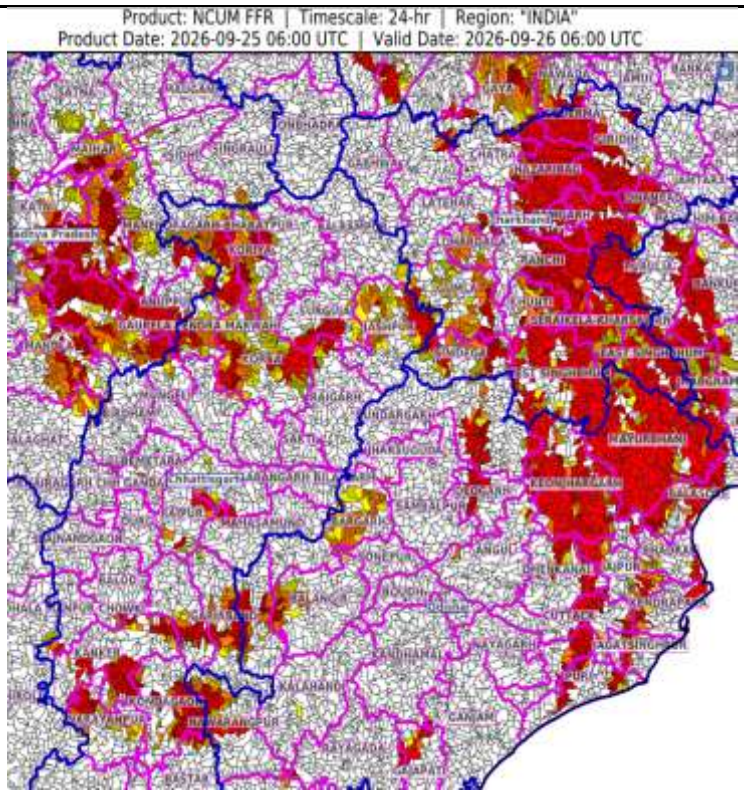

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

झारखंड: बोकारो, चतरा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, हज़ारीबाग, खूंटी, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, रांची, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले

ओडिशा: मयूरभंज, क्योंझरगढ़, बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जाजपुर, ढेंकनाल, कटक, जगतसिंहपुर, खुर्दा, पुरी, अंगुल, देवगढ़, बलांगीर, बारगढ़, गजपति, नवापारा, नवरंगपुर और रायगड़ा जिले

गांगेय पश्चिम बंगाल: पुरुलिया, झाड़ग्राम, बांकुरा और पश्चिम मिदनापुर जिले

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

पूर्वी मध्य प्रदेश: बालाघाट, अनुपपुर, डिंडोरी, मंडला, शहडोल, उमरिया, जबलपुर, कटनी, मैहर और सतना जिले

छत्तीसगढ़: नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, बस्तर, बालोद, धमतरी, गरियाबंद, मोहला मानपुर चौकी, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, गौरेला पेंड्रा मरवाही, जशपुर, सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर और मनेंद्रगढ़-भरतपुर जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।	
26-09-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर): अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश: आज़मगढ़, बलिया, ग़ाज़ीपुर, मऊ, महराजगंज, कुशी नगर, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, बस्ती, बलरामपुर, अम्बेडकर नगर, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अयोध्या, गोंडा, श्रावस्ती, सीतापुर, खीरी, बहराईच, हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, अमेठी, फ़तेहपुर, कानपुर सिटी, बांदा, कौशांबी और चित्रकूट जिले बिहार: अरवल, बक्सर, भोजपुर, पटना, सारण, सीवान, गोपालगंज और पश्चिम चंपारण जिले जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।	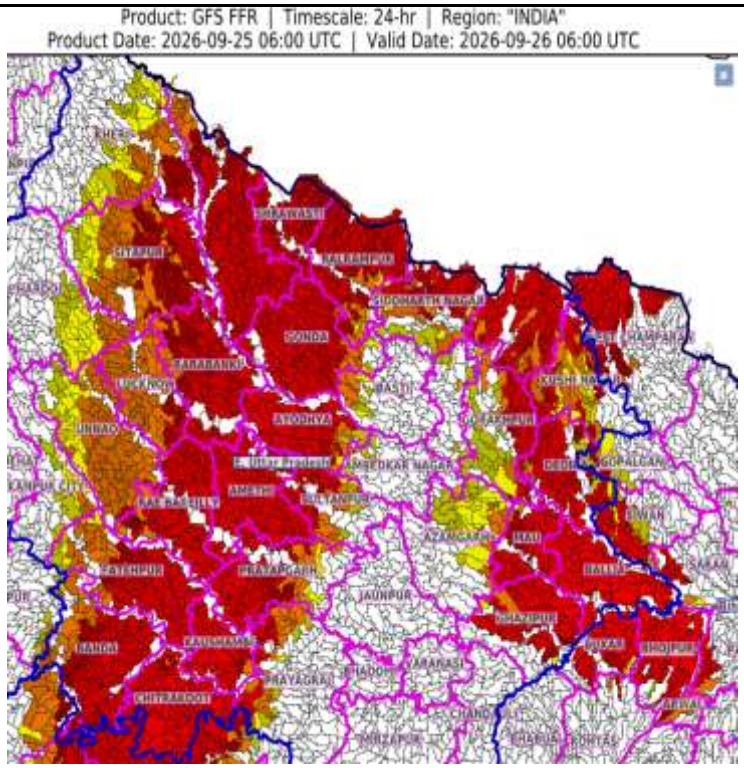

26-09-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR): अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी सब-डिविजन के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है। सब-हिमालयन पश्चिम बंगाल और सिक्किम: ग्यालशिंग, सोरेंग, मंगन, गंगटोक और दार्जिलिंग जिले। अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, मैप में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने या जलभराव की स्थिति बन सकती है।	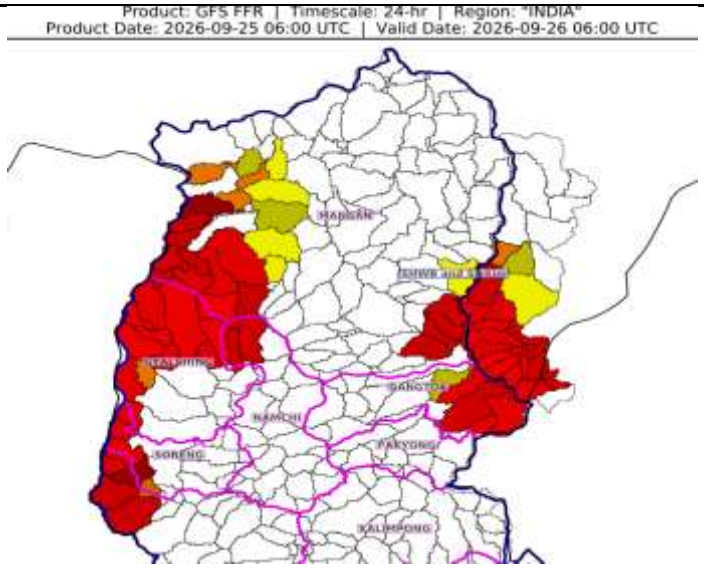

संकेत और संक्षिप्त नाम:

- भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

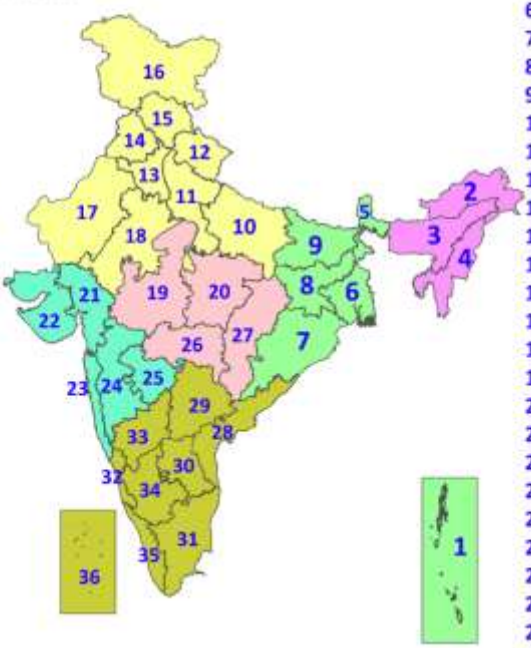

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)